UP Board Important Questions Class 12 Chapter 9 अंतर्राष्ट्रीय व्यापार (Manav Bhugol Ke Mool Sidhhant)

एक अंक वाले प्रश्न

प्रश्न 1. प्रादेशिक व्यापार समूह से क्या तात्पर्य है?

उत्तर : विश्व के वे देश, जिसकी व्यापार सम्बन्धी आवश्यकतायें एवं समस्याएं एक जैसी होती है, व भौगोलिक दृष्टि से एक-दूसरे के समीप हैं, एक व्यापार समूह का गठन कर लेते हैं। इसे ही प्रादेशिक व्यापार समूह कहा जाता हैं। जैसे ओपेक, असियान आदि ।

प्रश्न 2. जनसंख्या का आकार अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार को किस तरह प्रभावित करता है?

उत्तर : जनसंख्या के वृहद आकार के कारण कृषीय एवं औद्योगिक उत्पाद देश के अन्दर ही खप जाते हैं उनका वाह्य व्यापार कम हो पाता है। कभी-कभी जनसंख्या की आवश्यकता की पूर्ति के लिए आयात में वृद्धि की जाती है। जनसंख्या का जीवन स्तर भी व्यापार के मूल्य को निर्धारित करता है।

प्रश्न 3. 'व्यापार का परिमाण' का अर्थ स्पष्ट करो।

उत्तर : व्यापार की गई वस्तुओं तथा सेवाओं के कुल मूल्य को व्यापार के परिमाण के रूप में जाना जाता है।

प्रश्न 4. पैकेट स्टेशन का एक उदाहरण देते हुए समझाइये?

उत्तर : पैकेट स्टेशन छोटी दूरियों को तय करते हुए जलीय क्षेत्रों के आर-पार डाक तथा यात्रियों के परिवहन से जुड़े होते हैं। उदाहरण –इंगिलश चैनल के आरपार इंग्लैंड में डोवर तथा फ्रांस में कैलाइस।

प्रश्न 5. विश्व व्यापार संगठन की कार्य प्रणाली की परख कीजिए।

उत्तर :

(1) यह विश्वव्यापी व्यापार तन्त्र के लिये नियमों को निर्धारित करता है।

(2) यह सदस्य देशों के मध्य विवादों का निपटारा करता है।

प्रश्न 6. उस प्रादेशिक व्यापार समूह का नाम बतायें जिसका भारत सदस्य

उत्तर : साफ्टा (साउथ एशियन फ्री ट्रेड एग्रीमेंट)

प्रश्न 7. आर्गेनाइजेशन ऑफ पेट्रोलियम एक्सपोर्टिंग कंट्रीज (OPEC) का मुख्यालय कौन-सा नगर हैं?

उत्तर : वियना

प्रश्न 8. डंप करने का क्या अर्थ है?

उत्तर : लागत की दृष्टि से नहीं वरन् भिन्न-भिन्न कारणों से अलग-अलग कीमत की किसी वस्तु को दो देशों में विक्रय करने की प्रथा को डंप कहते हैं।

प्रश्न 9. 'व्यापार उदारीकरण' के सकारात्मक पक्ष का मूल्यांकन कीजिए।

उत्तर : घरेलू उत्पादों एवं सेवाओं से प्रति स्पर्धा करने के लिए व्यापार उदारीकरण सभी स्थानों से वस्तुओं और सेवाओं के लिए अनुमति प्रदान करता है और लोगों को लाभ प्रदान करता है।

प्रश्न 10. व्यापार संतुलन किस प्रकार किसी देश के आर्थिक विकास का सूचक है?

उत्तर : यदि निर्यात का मूल्य, आयात के मूल्य की तुलना में अधिक है तो देश का व्यापार संतुलन धनात्मक अथवा अनुकूल है जिससे प्राप्त लाभ देश की प्रगतिशील योजनाओं में व्यय किया जा सकता है।

प्रश्न 11. समुद्री-पत्तन की महत्ता किस प्रकार निर्धारित की जाती है?

उत्तर : पत्तन के महत्व को नौभार के आकार और निपटान किये गये जहाजों की संख्या द्वारा निश्चित किया जाता है।

प्रश्न 12. संसार में जनजातीय समुदायों में 'वस्तु-विनिमय प्रणाली' किस प्रकार प्रचलित है?

उत्तर : वस्तु विनिमय प्रणाली में वस्तुओं का प्रत्यक्ष आदान-प्रदान होता है, अर्थात सेवा या वस्तु के बदले में वस्तु ही दी जाती है।

तीन अंक वाले

प्रश्न 13. व्यापार की आवश्यकता क्यों है?

अथवा

राष्ट्रीय संसाधनों में भिन्नता अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार को किस तरह प्रभावित करती है? उदाहरण सहित स्पष्ट करें।

उत्तर : विश्व के सभी देशों में संसाधनों में भिन्नता पाई जाती है यह भिन्नता प्राकृतिक संसाधनों एवं मानवीय संसाधनों दोनों स्तरों पर होती है। इनकी गुणवत्ता एवं मात्रा में भी अन्तर होता है। इसलिए दो देशों के मध्य व्यापार की संभावना बढ़ती है।

उदाहरण :

(1) भौगोलिक संरचना में अन्तर के कारण किसी राष्ट्र में दूसरे राष्ट्र से अलग कृषि फसल होती है जैसे ब्राजील में कॉफी का उत्पादन अधिक होता है तो वहाँ से कॉफी अन्य देशों को निर्यात की जाती है।

https://www.evidyarthi.in/

(2) खनिज भी असमान रूप से वितरित है। द. अफ्रीका से बहुमूल्य खनिज दूसरे देशों को निर्यात किए जाते हैं। जापान जैसा विकसित देश खनिजों का आयात करता है।

(3) जलवायु से उत्पन्न विविधता भी उत्पादन की विविधता को सुनिश्चित करती है जो व्यापार को प्रभावित करती है। जैसे ऊन उत्पादन ठडे क्षेत्रों में ही हो सकता है, केला, रबड़, कहवा, उष्ण कटिबंधीय क्षेत्रों में आ सकते हैं।

प्रश्न 14. किसी देश के आर्थिक विकास की अवस्था का व्यापार से सम्बन्ध स्पष्ट कीजिए।

उत्तर :

(1) देश के आर्थिक विकास की अवस्था से व्यापार की गई वस्तुओं का स्वभाव परिवर्तित हो जाता हैं।

(2) जब किसी देश का आर्थिक विकास उच्च होता है तो वहाँ निर्माण उद्योग, परिवहन, सूचना उद्योग आदि अत्यधिक विकसित हो जाते हैं इस स्थिति में वह देश विर्निमित वस्तुओं एवं मशीनरी एव उच्च तकनीक का निर्यात करता है।

(3) आर्थिक विकास के अभाव में पिछड़े देश कृषि वस्तुओं व खनिजों का निर्यात करते हैं।

प्रश्न 15. व्यापार संतुलन से क्या आशय है? व्यापार संतुलन के प्रकारों को स्पष्ट कीजिए।

उत्तर: एक देश दूसरे देश को कुछ वस्तुएं या सेवाएं भेजता (निर्यात) है या कुछ वस्तुओं या सेवाओं को अपने देश में मंगाता (आयात) है। इसी आयात व निर्यात के अंतर को व्यापार संतुलन कहते हैं । यह दो प्रकार का होता है। ऋणात्मक संतुलन :- देश दूसरे देशों से वस्तुओं के खरीदने पर उस मूल्य से अधिक खर्च करता है जितना वह अपनी वस्तुओं को बेचकर मूल्य प्राप्त करता है अर्थात् आयात का मूल्य निर्यात के मूल्य से अधिक होता है। धनात्मक संतुलन :- यदि निर्यात का मूल्य (विक्रय मूल्य) आयात के मूल्य से अधिक है तो यह धनात्मक व्यापार संतुलन होता है।

प्रश्न 16. मुक्त व्यापार क्या है? इसके गुण एवं दोष बताइये।

उत्तर : जब दो देशों के मध्य व्यापारिक बाधायें हटा दी जाती हैं जैसे सीमा शुल्क खत्म करना, तो इसे मुक्त व्यापार कहा जाता हैं।

गुण :- घरेलू उत्पादों एवं सेवाओं को अन्तर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा मिलती है जिससे उत्पादन की गुणवत्ता में वृद्धि होती है। व्यापार में भी वृद्धि होती है। दोष :- विकासशील देशों में समुचित विकास न होने के कारण विकसित देश अपने उत्पादों को उनके बाजारों में अधिक मात्रा में भेज देते हैं जिसे विकासशील देशों की अर्थव्यवस्था प्रभावित होती है उनके अपने उद्योग बंद होने लगते हैं।

प्रश्न 17. मार्ग पत्तन एवं आंत्रपों पत्तन में क्या अन्तर है? स्पष्ट करें?

उत्तर :

- **मार्ग पत्तन :-** समुद्री मार्ग पर विश्राम केन्द्र के रूप में विकसित हुए है। यहाँ पर जहाज ईंधन, जल एवं भोजन के लिए लंगर डालते हैं। जैसे – होनोलूलू एवं सिंगापुर।
- **आंत्रपों पत्तन :-** इन पत्तनों पर विभिन्न देशों से निर्यात हेतु वस्तुएं लाई जाती हैं एकत्र की जाती हैं व अन्य देशों को भेज दी जाती हैं जैसे -यूरोप का रोटरडम एवं कोपेनहेगन।

प्रश्न 18. अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के तीन महत्वपूर्ण पक्ष क्या हैं? विश्लेषण कीजिए।

उत्तर :

- व्यापार का परिमाण :- व्यापार की गई वस्तुओं का वास्तविक तौल परिमाण कहलाता है। सभी प्रकार की व्यापारिक सेवाओं को तौला नहीं जा सकता इसीलिए व्यापार की गई वस्तुओं व सेवाओं के कुल मूल्य को व्यापार का परिमाण के रूप में जाना जाता है।
- व्यापार संयोजन :- व्यापार संयोजन से अभिप्राय देशों द्वारा आयातित व निर्यातित वस्तुओं व सेवाओं के प्रकार में हुए परिवर्तन से हैं। जैसे पिछली शताब्दी के शुरू में प्राथमिक उत्पादों का व्यापार प्रधान था। बाद में निर्माण क्षेत्र की वस्तुओं का आधिपत्य हो गया। अब सेवा क्षेत्र भी तेजी से बढ़ रहा है।
- व्यापार की दिशा :- पहले विकासशील देश कीमती वस्तुओं तथा शिल्पकला की वस्तुओं आदि का निर्यात करते थे। 19वीं शताब्दी में यूरोपीय देशों ने विनिर्माण वस्तुओं को अपने उपनिवेशों से खाद्य पदार्थ व कच्चे माल के बदले निर्यात करना शुरू कर दिया। वर्तमान में भारत ने विकसित देशों के साथ प्रतिस्पर्धा शुरु कर दी है। आज चीन तेजी से व्यापार के क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है।

प्रश्न 19. अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार से सम्बन्धित प्रमुख समस्याओं को उदाहरणों सहित स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार से सम्बन्धित प्रमुख समस्याएँ :

- अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार का होना राष्ट्रों के लिए पारस्परिक लाभदायक होता है अगर यह उत्पादन उच्च स्तर, वस्तुओं व सेवाओं की उपलब्धता, कीमतों व वेतन का समानीकरण प्रस्तुत करता है।
- अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार देशों के लिए हानिकारक हो सकता है यदि यह अन्य देशों पर निर्भरता, विकास के असमान स्तर, शोषण और युद्ध का कारण बनने वाली प्रतिद्वंदिता की ओर उन्मुख होता है।
- अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार से प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग बढ़ता जा रहा है। जिससे पर्यावरणीय व स्वास्थ्य सम्बन्धी समस्याएं उत्पन्न हो रही है। संसाधनों का तेजी से ह्रास हो रहा है।

प्रश्न 20. द्विपाश्विक एवं बहुपाश्विक व्यापार में अन्तर स्पष्ट करे।

उत्तर :

- **द्विपाश्विक व्यापार :-** इस तरह के व्यापार में दो देश आपस में व्यापार करते है जैसे एक देश 'क' दूसरे देश 'ख' से कुछ कच्चे माल को खरीदता है और बदले में 'ख' को कुछ अन्य सामग्री देता है।
- **बहुपाश्विक व्यापार :-** इसमें वही देश 'क', 'ख' देश के साथ-साथ अन्य अनेक देशों से भी व्यापार करता है।

प्रश्न 21. उपनिवेशवाद एवं औद्योगिक क्रान्ति ने व्यापार के इतिहास को किस तरह प्रभावित किया?

उत्तर : उपनिवेशवाद ने कच्चे माल एवं दासों के व्यापार की शुरूआत की।

औद्योगिक क्रान्ति के फलस्वरूप- अनाज मांस ऊन आदि जैसे कच्चे माल की मांग बढ़ी लेकिन उनका मूल्य अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार में कम हो गया।

https://www.evidyarthi.in/

औद्योगिक राष्ट्रों ने कच्चे माल के रूप में प्राथमिक उत्पादों का आयात किया एवं उत्पादित माल को अनौद्योगीकृत राष्ट्रों को निर्यात कर दिया। प्राथमिक वस्तुओं के उत्पादक प्रदेशों का महत्त्व कम हो गया तथा औद्योगिक राष्ट्र एक-दूसरे के मुख्य ग्राहक बन गये ।

पांच अंक वाले प्रश्न

प्रश्न 22. विभिन्न आधार लेते हुये पत्तनों का वर्गीकरण कीजिये। इन्हें अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के प्रवेश द्वार क्यों कहा जाता हैं?

उत्तर :

महत्व :- पत्तन व्यापार के लिए अत्यावाश्यक है क्योंकि बड़े पैमाने पर अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार समुद्री भागों से ही किया जाता है। ये पत्तन निम्न सुविधाएं प्रदान करते हैं।

(1) जहाजों के रुकने, ठहरने के लिए आश्रय प्रदान करते हैं।

(2) वस्तुओं को लादने, उतारने एवं भंडारण की सुविधा प्रदान करते हैं।

(3) अत्याधुनिक सुविधाएं, प्रशीतकों, छोटी नौकाओं की सुविधा।

(4) श्रम एवं प्रबंधकीय सुविधाएं प्रदान करते हैं।

(5) जहाजों के रखरखाव की व्यवस्था करते हैं।

प्रश्न 23. विश्व व्यापार संगठन की भूमिका विकसित एवं विकासशील देशों के लिए समान नहीं रही है। इस कथन को उचित तर्क देकर स्पष्ट कीजिए।

अथवा

एक अन्तर्राष्ट्रीय संगठन के रूप में विश्व व्यापार संगठन की भूमिका क्या है? कुछ देशों द्वारा विश्व व्यापार संगठन की आलोचना क्यों की गई है? स्पष्ट कीजिए।

अथवा

अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार में विश्व व्यापार संगठन की भूमिका उसकी आलोचना के साथ स्पष्ट कीजिए?

उत्तर : विश्व व्यापार संगठन की नींव GATT (जनरल एग्रीमेंट आन ट्रेड एन्ड टैरिफ) के रूप में 1948 में पड़ी थी। 1995 में GATT विश्व व्यापार संगठन के रूप में परिवर्तित हो गया । इसकी भूमिका निम्नलिखित है

- विश्व व्यापार संगठन एकमात्र ऐसा अन्तर्राष्ट्रीय संगठन है, जो राष्ट्रो के मध्य विवादों का निपटारा करता है।
- यह संगठन दूर संचार और बैंकिंग जैसी सेवाओं तथा अन्य विषयों जैसे बौद्धिक सम्पदा अधिकार के व्यापार को भी अपने कार्यों में सम्मिलित करता है।

आलोचना :

- WTO ने मुक्त व्यापार एवं भूमंडलीकरण को बढ़ावा दिया है जिसके कारण धनी और धनी एवं गरीब देश और गरीब हो रहे हैं।
- विकसित देशों ने अपने बाजार को विकासशील देशों के उत्पादों के लिए नहीं खोला है।
- इस संगठन में केवल कुछ प्रभावशाली राष्ट्रो का वर्चस्व है।
- WTO पर्यावरणीय मुद्दों, बालश्रम, श्रमिकों के स्वास्थ्य व अधिकारों की उपेक्षा करता है।

प्रश्न 24. अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के अस्तित्व में आने के प्रमुख कारण क्या है? या अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के आधार क्या हैं? स्पष्ट करें?

या

अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के निम्नलिखित आधारों की व्याख्या कीजिए।

(1) राष्ट्रीय संसाधनों में भिन्नता

(ii) जनसंख्या के कारक

उत्तर : विश्व के प्रत्येक देश एक या अन्य वस्तुओं के उत्पादन में विशिष्टीकरण प्राप्त होते हैं । यही विशिष्टीकरण अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार का आधार बनता है।

- राष्ट्रीय संसाधनों में भिन्नता
- जनसंख्या का आकार
- आर्थिक विकास की अवस्था ।
- विदेशी निवेश की सीमा ।
- परिवहन ।

https://www.evidyarthi.in/